[श्री चतुरानन मिश्र]

मिलेगा । इसलिए एक अनुकूल वातावरण वहां पर तैयार करना चाहिए ।

महोदया, एक और मसला है । कुछ लोगों ने कहा है कि कई जगहों में उनके मंदिर को तोड़ा गया है । इस बारे में मैंने गवर्नर साहब को लिखा है कि उसकी जांच हो । यहां के गृह मंत्री जी से भी मैं अनुरोध करूंगा कि क्या सच्ची बात है, इस के बारे में वह लोगों को बताएं । उन लोगों ने कहा था कि बारामुला के देवी मंदिर को, तुलमुला के क्षीर भवानी मंदिर को, गनपतियार के गणेश मंदिर और अनंतनाग के गौतम नाग मंदिर को तोड़ा गया है यह बात कहां तक सच है, उनको भी ठीक से पता नहीं है, लेकिन देश में अखबारों में बहुत सी बातें आती रहती हैं । इसलिए सरकार का कर्त्तव्य है कि इस मामले में वह जांच करे और अफवाहों को फैलने का अवसर न दे क्योंकि दूसरी जगह पर इसका कुप्रभाव पड़ता है ।

जहां तक काश्मीर के (समय की घंटी) पंडित लोगों का सवाल है, नौकरियों में मेरा ख्याल है कि जो उनकी आबादी है, उससे प्रपोर्शन में कहीं ज्यादा ही नौकरियां हो सकती हैं । फिर भी कैम्पों में बहुत से बेरोजगार पढ़े लिखे नौजवान हैं जिन्हें काम देने की जरूरत है लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से, उनके जान-माल की सुरक्षा की दृष्टि से और धार्मिक आजादी की दृष्टि से जो व्यवहार हम बाकी भारत में अल्पसंख्यक समुदाय के साथ करते हैं, वही हम उनके साथ भी करें क्योंकि सारा देश इस बात पर चिंतित है । इसलिए मैं गृह मंत्री से अनुरोध करूंगा कि इन बिंदुओं पर क्या उनकी राय है, इस बारे में अगर अभी कुछ कहें तो ठीक है या अभी नहीं तो बाद में भी इससे देशवासियों को वाकिफ करवाएं नहीं तो इस बात को लेकर काफी प्रचार होता है ।...(समय की घंटी)...

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उनकी इन समस्याओं की ओर आकर्षित करता हूं । धन्यवाद ।

Need for corrective measures in Recruitment to sensitive Departments to check Internal subversion

SHRI JAGMOHAN (Nominated): Thank you, Madam Deputy Chairman. I will be very brief. I would like to draw the attention of the House as well as the Government to the increasing problem of internal subversion. I think, Government need to pay adequate attention to the fact that the loyalty of the officials in sensitive departments is being subverted. There is a plan and the people are moving under that plan. A large number of incidents have taken place and I need not repeat that here. But, I will make two suggestions in this regard. One is that faulty recruitment has been done in various departments in the past. Some screening committee should be constituted to look into those recruitments and if officials of doubtful loyalty have crept in or over-politicisation has taken place in recruitment, corrective measures should be taken. While appointing the officials this aspect should be looked into whether they are loyal and unless a person is of absolute integrity he should not be appointed to a sensitive department. I will give only one example. A person who was involved in a hijacking incident in 1971 was found to be posted in the cargo department of the Indian Airlines. This should not happen and it should be looked into and remedial measures should be taken. Another aspect that needs attention is as regards the recruitment procedure and the initial verification that is done. Character verification is done by a very very subordinate officer and it is very very lax. The Government should look into this aspect particularly in sensitive departments like police and airlines where these subversions are taking place. The Government should look into this aspect in regard to screening, appointment, future recruitment and weeding out of certain people whose loyalties are suspected. Thank you.